वागड़ संदेश

Tital Code RAJHIN27802

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com

सम्पर्क

ई पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई मेल editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-1 अंक-189 सागवाड़ा, बुधवार, 16 मार्च, 2022 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म के मामले में आरोपी गिरफ्तार

पिछले 5 माह से चल रहा था फरार

सीमलवाड़ा। जिले की कुआ थाना पुलिस ने नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी को आज गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिछले 5 माह से फरार चल रहा था। वही गिरफ्तार आरोपी कुआ थाने के टॉप टेन अपराधियों में भी शामिल है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

डूंगरपुर जिले के कुआ थानाधिकारी मोहम्मद रिजवान ने बताया की पीडिता ने 6 अक्टूबर 2021 को थाने में आकर रिपोर्ट दी थी। जिसमें बताया था की वह 9 वी कक्षा की छात्रा है। 4 सितम्बर 2021 को अपने घर से स्कूल के लिए निकली थी। इस दौरान गुजरात के मोटीकेर निवासी 22 वर्षीय राकेश पिता वीरसिंह ताबियाड रास्ते में मिला और उसे बहला फुसलाकर अपने साथ गुजरात अपने घर ले गया। जहा पर आरोपी राकेश ताबियाड ने उसके साथ कई दिनों तक दुष्कर्म किया। इसके बाद एक दिन मौका पाकर पीडिता जैसे-तैसे अपने घर पहुंची और अपने परिजनों को पूरी आप बीती सुनाई। जिस पर पीडिता और परिजन थाने आये और रिपोर्ट दी। कुआ थानाधिकारी मोहम्मद रिजवान ने बताया की पीडिता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज करते हुए आरोपी राकेश ताबियाड की तलाश शुरू की गई लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। इधर डूंगरपुर जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी की ओर से चलाये जा रहे वांछित अपराधियों की धरपकड अभियान के तहत मुखबिर के जरिये राकेश ताबियाड के गुजरात के जंगल में होने की सुचना मिली। जिस पर थानाधिकारी मोहम्मद रिजवान, हैड कांस्टेबल राजमल, कांस्टेबल इन्द्रजीत सिंह, आशोक मोहम्मद, भागीरथ और लोकेश कुमार की टीम ने गुजरात के जंगल में दबिश देकर आरोपी राकेश ताबियाड को गिरफ्तार किया। वही थानाधिकारी मोहम्मद रिजवान ने बताया की गिरफ्तार राकेश कुआ थाने के टॉप टेन अपराधियो में शामिल है। इधर गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया जहा से कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया है।

विधायक राजकुमार रौत ने विधानसभा में उठाया मुद्दा

डूंगरपुर को मिले 26 हजार मैट्रिक टन खराब गेहूं को लेकर उच्च स्तरीय जांच की मांग

डूंगरपुर। डूंगरपुर जिले में गरीब लोगों को अनाज वितरण के तहत 56 हजार मैट्रिक टन गेंहू की डिमांड है। यह गेहूं खाद्य सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना समेत एपीएल, बीपीएल और स्टेट बीपीएल परिवारों को राशन की दुकानों से अनाज मिलता है। लेकिन डूंगरपुर में अप्रैल और मई महीने के गेहूं का स्टॉक खत्म हो गया है। दो दिन पहले डूंगरपुर को 26 हजार मैट्रिक टन गेंहू की सप्लाई मिली। यह गेहूं पंजाब से रेल के जरिए आया है। लेकिन पंजाब से आया गेहूं भीगा हुआ, सड़ा गला और खराब है। खराब गेंहू का मामला सामने आने के बाद अब यह राजस्थान विधानसभा में भी मुद्दा बन गया। डूंगरपुर से चौरासी के बीटीपी विधायक राजकुमार रोत ने इस मामले को विधानसभा में उठाया। चौरासी विधायक राजकुमार रोत ने कहा कि डूंगरपुर को 26 हजार मैट्रिक टन खराब गेहूं दे दिया है। खराब गेहूं को लेकर एफसीआई और रसद विभाग के अधिकारी भी कोई सही जवाब नहीं दे रहे हैं। विधायक ने इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाने की मांग रखी है। इस पर सरकार ने जांच के आदेश भी जारी कर दिए है।

होली पर घर पहुंचने से पहले ही आ गई मौत

बस के टायर के नीचे आने से युवक की हुई मौत, अहमदाबाद से घर लौट रहा था युवक

आसपुर। डूंगरपुर जिले के आसपुर थाना क्षेत्र के गोठ महुडी बस स्टैंड पर बस के टायर के नीचे आने से एक युवक की मौत हो गई। युवक होली पर अहमदाबाद से बस में बैठकर अपने घर लौट रहा था। पूंजपुर के गोठ महुडी बस स्टैंड पर किसी काम से उतरने के बाद वापस बस में चढ़ते समय नीचे गिर गया और इस दौरान बस का टायर चढने से उसकी मौत हो गई। डूंगरपुर जिले के आसपुर थानाधिकारी सवाई सिंह ने बताया की प्रतापगढ़ जिले के मांडली गाँव निवासी 29 वर्षीय भेमा पिता रत्ना अहमदाबाद में मजदूरी का काम करता है। होली का त्यौहार होने के चलते वह बस में अहमदाबाद से अपने घर प्रतापगढ़ लौट रहा था। इस दौरान पूंजपुर के गोठ महुडी बस स्टैंड पर बस रुकी और भेमा किसी काम से बस से नीचे उतरा। काम करके वापस जब भेमा बस में चढने लगा तो चालक ने बस चला दी। इस दौरान भेमा का पैर फिसल गया और वह बस से जैसे ही गिरा उस पर बस टायर चढ़ गया। जिससे वह गंभीर घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगो की भीड़ जमा हो गई। इसके बाद लोगो ने गंभीर घायल भेमा को आसपुर अस्पताल पहुँचाया। जहा पर डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। सुचना पर आसपुर थाने से हैड कांस्टेबल भगवत सिंह, कांस्टेबल रमेश आसपुर अस्पताल पहुंचे और शव को मोर्चरी में शिफ्ट करवाया। इसके बाद पुलिस ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। हादसे की सुचना पर मृतक के परिजन प्रतापगढ़ से डूंगरपुर के आसपुर अस्पताल की मोर्चरी पहुंचे और घटना की जानकारी ली। इसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द किया। इधर आसपुर थाना पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज जांच शुरू कर दी है। वही पुलिस ने बस को जब्त कर लिया है।

बजट से हर वर्ग को दी राहत :गहलोग

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि बजट घोषणाओं के माध्यम से राज्य सरकार ने प्रदेशवासियों की उम्मीदों एवं आकांक्षाओं को पूरा करने का प्रयास किया है। नये अस्पताल एवं स्कूल खोलने, सड़क सुविधा से जोड़ने जैसे स्थानीय विकास के कामों के साथ-साथ किसानों को कृषि कनेक्शन देने, सरकारी अस्पतालों में ओपीडी एवं आईपीडी को निशुल्क करने तथा बिजली बिल में सब्सिडी जैसे प्रावधानों से हर वर्ग को राहत देने की कोशिश की गई है। हमारा प्रयास है कि राज्य के छोटे से छोटे गांव और ढाणी में बसे लोगों तक भी इन घोषणाओं का लाभ पहुंचे। गहलोत बजट घोषणाओं पर आभार व्यक्त करने बुधवार को शाहपुरा, संगरिया, जैसलमेर, बूंदी, ब्यावर आदि स्थानों से मुख्यमंत्री निवास पहुंचे विभिन्न प्रतिनिधिमण्डलों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों की समस्याएं भी सुनीं और अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार हमारी सरकार ने अलग से कृषि बजट प्रस्तुत किया और किसानों एवं पशुपालकों के लिए अनेक घोषणाएं की। इसी तरह निर्धन एवं जरूरतमंदों, महिलाओं, कर्मचारी वर्ग, कारोबारियों, उद्यमियों, खिलाड़ियों, युवाओं सहित समाज के हर तबके को लाभांवित करने का प्रयास किया है। शाहपुरा विधायक आलोक बेनीवाल ने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र को भी विकास कार्यों के रूप में भरपूर सौगात मिली हैं। उन्होंने इनके लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। अखिल भारतीय रैगर महासभा, राव राजपूत महासभा, अखिल राजस्थान सफाई मजदूर कांग्रेस, आरएफसी ऑफिसर्स एसोसिएशन सहित विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधिमण्डलों ने भी सम्बन्धित बजट घोषणाओं के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद व्यक्त किया।

12 से 14 साल के बच्चों के लिए वैक्सीनेशन

डूंगरपुर। सीएमएचओ डॉ राजेश शर्मा ने बताया कि कोरोना की तीसरी लहर से डूंगरपुर जिला मुक्त हो गया है। लेकिन बच्चों में इम्यूनिटी बढ़ाने के साथ ही कोरोना के संभावित खतरे से बचाने के लिए वैक्सीनेशन शुरू किया गया है। आरसीएचओ डॉ. के.एल. पलात ने बताया कि 12 से 14 साल तक के बच्चों के लिए वैक्सीनेशन की शुरुआत की गई है। शहर के गौरीशंकर उपाध्याय सीनियर स्कूल में सीडीईओ मणिलाल छगन, डीईओ माध्यमिक अमृतलाल कलाल, सिटी डीपीएम मनीष शर्मा की मौजूदगी में बच्चों के लिए वैकिसीनेश अभियान की शुरुआत की गई। डॉ. के.एल. पलात ने बताया कि पहले दिन जिले के 76 सीएचसी और पीएचसी पर वैक्सीनेशन किया गया हैं। पहले दिन ऑफ लाइन वैक्सीनेशन किया गया। उन्होंने बताया कि जिले में 12 से 14 साल के 85 हजार बच्चें हैं। इन सभी बच्चों को वैक्सीन लगाई जाएगी। इसके लिए डूंगरपुर जिले को 58 हजार वेक्सीन मिल गई है।

जीप की टक्कर से ऑटो चालक की मौत

पत्नी और भाई गंभीर घायल, बेटा टॉयलेट करने उतरा तो बच गया

डूंगरपुर। उदयपुर जिले के बावलवाडा थाना क्षेत्र के जोवली मोड़ पर खड़े एक ऑटो को जीप को टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो चालक की मौत हो गई। जबकि उसकी पत्नी व भाई घायल हो गए। वही ऑटो चालक का बेटा टॉयलेट के लिए नीचे उतरा हुआ था जिसके चलते वह बच गया। बावलवाडा पुलिस ने घायलों को डूंगरपुर जिला अस्पताल में भर्ती करवाया है वही मोर्चरी में शव रखवाया है। उदयपुर जिले के

बावलवाडा थाने के हेड कांस्टेबल प्रभुलाल ने बताया की नरेंद्र मोड़िया निवासी मोकरवाड़ा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उसने बताया की उसके पिता 50 वर्षीय अमृतलाल मोडिया ऑटो ड्राइवर है। नरेंद्र ने बताया की वह अपने पिता, मां 50 वर्षीय सीता देवी और पड़ोसी चाचा थावरचंद खराड़ी ऑटो से किसी काम से खेरवाड़ा गए थे । इसके बाद वापस ऑटो लेकर घर मोकरवाड़ा लौट रहे है। इस दौरान खेरवाड़ा से मोकरवाडा मार्ग पर जोवली मोड़ के पास ऑटो को रोककर नरेंद्र मोड़िया टॉयलेट करने उतरा।

उसी समय सामने से आ रही तेज रफ्तार जीप ने ऑटो को टक्कर मार दी। बेटा नरेंद्र दौड़कर वापस आया। पिता अमृतलाल, मां और चाचा तीनो को हाथ - पैर व सिर पर गंभीर चोटें आई। घटना के बाद मौके पर लोगो की भीड़ जमा हो गई वही हादसे के बाद जीप चालक जीप लेकर फरार हो गया। इधर इसके बाद नरेंद्र मोडिया ने अपने पिता, माँ और चाचा को एंबुलेंस से खेरवाड़ा हॉस्पिटल लेकर गया । वहा पर प्राथमिक उपचार के बाद तीनो घायलों को डूंगरपुर जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया। इधर डूंगरपुर जिला अस्पताल लाने पर पिता अमृतलाल की हालत ज्यादा गंभीर होने पर इलाज के दौरान मौत हो गई। इधर घटना की सूचना पर बावलवाड़ा थाने से हेड कांस्टेबल प्रभुलाल मय जाब्ता डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंचे और घटना की जानकारी ली वही शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। बेटे नरेंद्र की रिपोर्ट पर जीप चालक के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वहीं पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपर्द कर दिया है।

भारत में फिर कोरोना का खतरा?

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कुछ यूरोपीय और पूर्वी एशियाई देशों में कोविड-19 मामलों में वृद्धि के बीच बुधवार को अधिकारियों को उच्च स्तर की सतर्कता और निगरानी बनाए रखने और जीनोम सीक्वेंसिंग को आक्रामक रूप से करने के निर्देश दिये। मंत्री की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक में 27 मार्च से निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें फिर से शुरू करने के सरकार के फैसले, टीकाकरण की स्थिति और जीनोमिक निगरानी के स्तर की समीक्षा की गई।

एक आधिकारिक सूत्र ने कहा, चीन, सिंगापुर, हांगकांग, वियतनाम और कुछ यूरोपीय देशों में बढ़ते मामलों को देखते हुए, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और विशेषज्ञों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की।

वसुंधरा राजे की सभा में भीड़ पर सतीश पूनिया बोले

पार्टी से अलग होकर किसी नेता का वजूद नहीं

जयपुर। राजस्थान भाजपा के नेताओं में आपसी खींचतान जारी है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की सभाओं में पिछले दिनों आई भीड़ को लेकर मीडियाकर्मियों द्वारा पूछे गए सवाल पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि भीड़ पार्टी के नाम से आती है। अकेले नेता के नाम से भीड़ नहीं जुटती है। पार्टी से अलग होकर किसी नेता का कोई वजूद नहीं है। कार्यकर्ता पार्टी के लिए काम करते हैं। दो दिन की अलवर यात्रा के दौरान मंगलवार रात को पूनिया ने पत्रकारों से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम सब पार्टी के अनुशासन में बंधे हुए हैं। केंद्रीय अनुशासन, मर्यादा और आलाकमान की नीति व संसदीय बोर्ड से बंधे हुए हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वसुंधरा और हमारे बीच में

कोई विवाद नहीं है। सतीश पूनिया ने कहा कि राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम और कमल के निशान पर विधानसभा चुनाव लड़ा जाएगा। दरअसल, वसुंधरा समर्थक उन्हें चेहरा घोषित कर चुनाव लड़ने की मांग कर रहे हैं। पूनिया ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार के खिलाफ लोगों में काफी आक्रोश है। कांग्रेस पूरे देश से गायब हो रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा ने विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी है। गौरतलब है कि राजस्थान के भाजपा नेताओं में खींचतान खत्म होने के नाम नहीं ले रही है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया समर्थक लगातार एक-दूसरे पर निशाना साधने में जुटे हैं। पूनिया समर्थक पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा ने गत दिनों एक बयान में कहा कि वसुंधरा को राजस्थान में मुख्यमंत्री बनने का मोह छोड़कर दिल्ली में केंद्रीय राजनीति में चले जाना चाहिए। वसुंधरा को राष्ट्रीय नेता बनकर राजनीति करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान भाजपा से कोई नया मुख्यमंत्री बनेगा तो पार्टी में नया उत्साह, नया जोश और नई डगर आएगी।

जयपुर में मीडियाकर्मियों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वसुंधरा पहले जब नई पार्टी बना रही थीं, तब मैंने मना किया था। अगर उन्हें समझ में आए मेरी बात तो मानें।

कश्मीर फाइल्स के जरिए मुद्दों से ध्यान भटका रही है भाजपा : खाचरियावास

जयपुर। राजस्थान के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने बुधवार को भाजपा पर आरोप लगाया कि वह कश्मीर फाइल्स फिल्म के जरिये जनता का ध्यान महंगाई जैसे वास्तविक मुद्दों से भटकाने का प्रयास कर रही है। खाचरियावास ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि भाजपा कार्यकर्ता सिनेमा घरों में जाते हैं और कश्मीर फाइल्स पर नारेबाजी करते हैं। 2014 में भाजपा ने नारा दिया था बहुत हुई महंगाई की मार, अबकी बार मोदी सरकार अब जबकि महंगाई उच्चतम स्तर पर है, वह यह नारा नहीं लगा रहे और इस फिल्म के जरिये जनता का ध्यान भटका रहे हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास में जो दर्ज हो गया है वह तारीख कभी बदलती नहीं है। 1990 में भाजपा सरकार में थी और विश्वनाथ प्रताप सिंह प्रधानमंत्री थे। जब कश्मीरी पंडितों पर जुल्म हुआ उस वक्त सरकार में भाजपा के लोग थे। इस देश में आजादी के पहले और आजादी के बाद भी, सबसे पहले कांग्रेस आतंकवाद से लड़ती रही और उसने कभी आतंकवाद को मौका नहीं दिया। उन्होंने कहा कि इसमें कोई दो राय नहीं है कि कश्मीरी पंडितों पर जुल्म हुआ और वो वहां (कश्मीर) से छोड़कर आने लगे उस वक्त सरकार भाजपा की थी। अब कश्मीर से धारा 370 हटा दी आपकी (भाजपा सरकार की) जिम्मेदारी है कि आपको वापस सबको वही हक दिलाना चाहिए। आतंकवाद से लड़ना कांग्रेस-भाजपा सबकी जिम्मेदारी है। एक फिल्म को लेकर झूठ परोसने से सच्चाई नहीं छुपती।

राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023, डॉ. सतीश पूनिया तैयारी में जुटे

भाजपा का 6 अप्रैल को पन्ना प्रमुख सम्मेलन

जयपुर। राजस्थान में भाजपा ने विधानसभा चुनाव के लिए अभी से माइक्रो मैनेजमेंट शुरू कर दिया है। भाजपा 'पन्ना प्रमुख' मॉडल के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी। 6 अप्रैल को भाजपा के स्थापना दिवस पर प्रदेशभर में 52000 बूथों पर एक साथ पन्ना प्रमुख सम्मेलन किए जाएंगे। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचन्द कटारिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ सहित सभी बड़े से लेकर छोटे नेता, सांसद, विधायक, पदाधिकारी भी पन्ना प्रमुख हैं।

खास बात यह है कि पिछले चुनावों से आगे बढ़कर अब 30 वोटर्स की जगह 60 वोटर्स के वोट डलवाने की जिम्मेदारी एक पन्ना प्रमुख को दी जाएगी। हाल ही में 5 राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में 4 राज्यों में भाजपा ने इसी मॉडल पर जीत दर्ज की है। राजस्थान बॉर्डर से लगता उत्तरप्रदेश इसका बड़ा उदाहरण है। भाजपा ने राजस्थान में बूथ अध्यक्ष और बूथ कार्यकारिणी बना ली हैं। अब 25 मार्च से 6 अप्रैल तक पन्ना प्रमुख की नियुक्तियां कर दी जाएंगी। पन्ना प्रमुख का रणनीतिक महत्व इससे समझा जा सकता है कि भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष ही नहीं, राष्ट्रीय अध्यक्ष भी एक पन्ना के प्रमुख के तौर पर काम करते हैं।

नए जिलों के गठन के लिए हाईपावर कमेटी बनी

रिटायर्ड IAS रामलुभाया 6 माह में सरकार को देंगे रिपोर्ट, 50 नए जिले बनाने की मांग

जयपुर। राजस्थान में नए जिलों के गठन के लिए सीएम गहलोत ने हाईपावर कमेटी के गठन को मंजूरी दी है। कमेटी नए जिलों की जरूरत का आकलन करेगी और 6 महीने में सरकार को रिपोर्ट देगी। रिटायर्ड IAS और पूर्व राज्य मुख्य निर्वाचन आयुक्त रामलुभाया जिलों पर बनी समिति के अध्यक्ष होंगे। जिलों के लिए गठित हाईपावर कमेटी में राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव सदस्य सचिव होंगे। ग्रामीण विकास व पंचायतीराज विभाग के प्रमुख सचिव, वित्त विभाग के स्पेशल सेक्रेटरी और गृह विभाग के संयुक्त सचिव कमेटी में सदस्य होंगे। नए जिलों के लिए गठित समिति विधायकों, जनप्रतिनिधियों

सहित आम लोगों से समय-समय पर आने वाले ज्ञापनों और मांग पत्रों पर विचार कर रिपोर्ट तैयार करेगी। बजट बहस पर जवाब देते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जिलों के गठन के लिए हाईपावर कमेटी बनाने की घोषणा की थी। प्रदेश के मौजूदा 24 बड़े जिलों का बंटवारा कर 50 से ज्यादा जगहों से नए जिलों की मांग उठ रही है। कांग्रेस और सहयोगी दलों के विधायक नए जिले बनाने के लिए लगातार दबाव बना रहे हैं। नए जिले बनाने की मांग से वोट बैंक भी जुड़ा है, इसलिए कांग्रेस विधायक भी जोर लगा रहे हैं। प्रदेश में अजमेर जिले से ब्यावर, बाड़मेर से बालोतरा, सीकर से नीमकाथाना, जोधपुर से फलौदी को जिला बनाने की मांग बहुत लंबे समय से उठती रही है। नागौर से पांच, जयपुर और गंगानगर से 4-4 जगहों से नए जिलों की मांग है। अजमेर, उदयपुर, अलवर, पाली, सीकर, भरतपुर से 3-3 जगहों से नए जिले बनाने की मांग उठ रही है। प्रदेश में 2008 के बाद कोई नया जिला नहीं बना है। 26 जनवरी 2008 को भाजपा सरकार ने प्रतापगढ़ को जिला बनाया था। राजस्थान के जिले क्षेत्रफल के हिसाब से बहुत बड़े हैं। बाड़मेर, बीकानेर, जैसलमेर, नागौर जिलों में कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां से जिला मुख्यालय 150-200 किलोमीटर से भी ज्यादा दूरी पर होने से लोगों को तकलीफ होती है। बीजेपी राज में नए जिलों के लिए 2014 में रिटायर्ड ब्रूस परमेश चंद की अध्यक्षता में कमेटी बनाई गई थी। कमेटी ने 2018 में सरकार को रिपोर्ट दे दी थी। बीजेपी राज में उस रिपोर्ट पर कोई एक्शन नहीं लिया गया था।

बाद में सरकार बदल गई और गहलोत सरकार ने परमेश चंद कमेटी की रिपोर्ट मानने से इनकार कर दिया। अब रामलुभाया कमेटी बनाई है।